औरा के आंगण काई खेलो,
म्हारा जिन्द बाबा,
म्हारा आंगणिया में खेलो जी।।

दादा जी मनावे थांका,
बाबाजी जी मनावे,
बनडी बुलावे बेगा बेगा आओ जी,
औरां के आंगण काई खेलो,
म्हारा जिन्द बाबा,
म्हारा आंगणिया में खेलो जी।।

औरा क आंगण मिठाई बांटे,
म्हारा आंगणिया बाटो जी,
औरा क आंगण काई,
अन्तर की शीशियां लावे,
म्हारा आंगणिया लाओ जी,
औरां के आंगण काई खेलो,
म्हारा जिन्द बाबा,
म्हारा आंगणिया में खेलो जी।।

बावडिया में बैठ्या बैठया,
हुकम चलावे,
भगतां का कारज बेगा सारो जी,
चुतरा चुनवा ड्यू थांके,

गादिया तो लगवा द्यु,
चेतन वाली पाळणी मंगवाडचू जी,
औरां के आंगण काई खेलो,
म्हारा जिन्द बाबा,
म्हारा आंगणिया में खेलो जी।।

औरा के आंगण काई खेलो,
म्हारा जिन्द बाबा,
म्हारा आंगणिया में खेलो जी।।

प्रेषक रामस्वरूप लववंशी
8107512367

Source:
https://www.bharattemples.com/aura-ke-aangan-kai-khelo-mara-jind-baba/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw